अध्याय- चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण

अध्याय- चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण

4.1 भूमिका

4.2 परिकल्पनाओं का विवरण

4.3 लेखन क्षमताओं की स्थिति

अध्याय- चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण

4.1 भूमिका

संख्यात्मक प्रदत्तों का एकत्रीकरण, संगठित विश्लेषण एवं व्याख्या गणितीय प्रतिविधियों द्वारा करने की क्रिया को सांख्यिकी कहा जाता हैं। संशोधन द्वारा हमें संख्यात्मक प्रदत्त प्राप्त होते हैं। अतः मापन एवं मूल्यांकन के लिए सांख्यिकीय को मुख्य साधन माना जाता है। संख्यात्मक प्रदत्तों का स्पष्टीकरण करने हेतु सांख्यिकीय शब्द का प्रयोग किया जाता है। विभिन्न व्यक्गित निरीक्षणों द्वारा समूह व्यवहार अथवा समूह गुणधर्मो का स्पष्टीकरण करके उनका सामान्यीकरण सांख्यिकीय द्वारा किया जाता हैं।

सांख्यिकीय विधियों, विश्लेषण एवं स्पष्टीकरण के मुख्य उद्देश्य को पूरा करती हैं। सांख्यिकीय का उपयोग हम प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या कर उनसे परिणाम प्रापत करने हेतु करते हैं। विश्लेषित अध्ययन करके उससे परिणाम प्राप्त कर प्रदत्तों की व्याख्या करना शोध का एक प्रमुख हिस्सा होता हैं। यह अध्ययन का एक उपयोगी एवं महत्वपूर्ण हिस्सा हैं क्योंकि इससे प्रदत्तों का सही उपयोग किया जाता हैं। व्याख्या के द्वारा हम एकत्रित प्रदत्तों का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में कर सकते हैं। सांख्यिकीय तथ्यों को अपने आप में कोई उपयुक्तता नहीं होती। प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रदत्तों को एकत्रित किया गया एवं उनकी व्याख्या की गई।

4.2 परिकल्पनाओं का विवरण

उपलब्धि परीक्षण एवं क्षमता परीक्षण में संबंध को ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित परिकल्पना प्रस्तुत की गई हैः

परिकल्पना–1 "उपलब्धि परीक्षण एवं क्षमता परीक्षण में कोई सार्थक संबंध नही हैं।"

तालिका : 4.2.1 उपलब्धि परीक्षण एवं क्षमता परीक्षण में संबंध।

चर (Variables)	विद्यार्थियों की संख्या(N)	स्वतंत्रता की कोटि (df)	'r' मूल्य	सार्थकता (Significance)
उपलब्धि परीक्षण	40	78	0.588	हैं < 0.01
क्षमता परीक्षण	40			

❖ **स्पष्टीकरण** –

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.1 देखने से स्पष्ट होता है कि उपलब्धि परीक्षण एवं क्षमता परीक्षण में सहसंबंध (r) का मूल्य 0.588 है।

स्वतंत्रता कोटि (df) 78 पर 0.01 स्तर पर 'r' का मूल्य 0.283 हैं।

❖ **विश्लेषण** –

उपरोक्त स्पष्टीकरण से देखा जा सकता है कि तालिका क्रमांक 4.2.1 में 'r' का मूल्य 0.588 हैं। यह मूल्य 0.01 स्तर के 'r' मूल्य से ज्यादा हैं।

इसलिए 0.01 स्तर पर 'r' का मूल्य सार्थक हैं। अतः 'r' मूल्य सार्थक होने की वजह से परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता हैं।

❖ **निष्कर्ष** –

अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि– "उपलब्धि परीक्षण एवं क्षमता परीक्षण में सार्थक धनात्मक संबंध हैं।"

❖ लिंग आधारित अंतर –

लिंग आधारित अंतर को ज्ञात करने के लिए दो परिकल्पनाऐं प्रस्तुत की गई हैं जो उपलब्धि परीक्षण एवं क्षमता परीक्षण के लिंग, पर आधारित हैं। इसका स्पष्टीकरण निम्नलिखित हैं–

परिकल्पना–2 "उपलब्धि परीक्षण में लेखन–क्षमता की कमजोरियों में छात्र एवं छात्राओं के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।"

तालिका : 4.2.2 उपलब्धि परीक्षण में छात्र एवं छात्राओं के बीच अतंर।

श्रेणी	विद्यार्थियों की संख्या(N)	मध्यमान (M)	प्रमाणित विचलन (SD)	स्वतंत्रता की कोटि (df)	't' मूल्य	सार्थकता
छात्र	40	27.50	8.69	78	5.28	हैं < 0.01
छात्राऐं	40	37.98	9.07			

❖ स्पष्टीकरण –

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.2 देखने से स्पष्ट होता है कि उपलब्धि परीक्षण में छात्र एवं छात्राओं में 't' का मूल्य 5.28 है। स्वतंत्रता कोटि (df) 78 पर 0.01 स्तर पर 't' का मूल्य 2.64 हैं।

❖ विश्लेषण –

प्रस्तुत तालिका में 't' का मूल्य 5.28 हैं। यह मूल्य 0.01 स्तर से ज्यादा है।

इसलिए 0.01 स्तर पर 't' का मूल्य सार्थक हैं। अतः 't' मूल्य सार्थक होने की वजह से परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता हैं।

❖ निष्कर्ष –

अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि– "उपलब्धि परीक्षण में लेखन क्षमता की कमजोरियों में छात्र एवं छात्राओं में सार्थक अंतर हैं।"

परिकल्पना–3 "क्षमता परीक्षण में लेखन क्षमता की कमजोरियों में छात्र एवं छात्राओं के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।"

तालिका : 4.2.3 क्षमता परीक्षण में छात्र एवं छात्राओं के बीच अंतर।

श्रेणी	विद्यार्थियों की संख्या(N)	मध्यमान (M)	प्रमाणित विचलन (SD)	स्वतंत्रता की कोटि (df)	't' मूल्य	सार्थकता
छात्र	40	6.5	9.02	78	5.78	हैं < 0.01
छात्राऐं	40	16.60	6.10			

❖ **स्पष्टीकरण –**

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2.3 देखने से स्पष्ट होता है कि क्षमता परीक्षण में छात्र एवं छात्राओं में 't' का मूल्य 5.78 है।

स्वतंत्रता कोट (df) 78 पर 0.01 स्तर पर 't' का मूल्य 2.64 हैं।

❖ **विश्लेषण –**

प्रस्तुत तालिका में 't' का मूल्य 5.78 हैं। यह मूल्य 0.01 स्तर से ज्यादा है।

इसलिए 0.01 स्तर पर 't' का मूल्य सार्थक हैं। अतः 't' मूल्य सार्थक होने की वजह से परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता हैं।

❖ **निष्कर्ष –**

अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि– "क्षमता परीक्षण में लेखन क्षमता की कमजोरियों में छात्र एवं छात्राओं में सार्थक अंतर हैं।"

4.3 लेखन क्षमताओं की स्थिति

लेखन क्षमताओं की स्थिति का अध्ययन करने के लिए लेखन क्षमता परीक्षण किया गया जिसमें निम्नलिखित क्षमताओ को लिया गया–

1. क्षमता 4.7.5 प्रश्नो के उत्तर
2. क्षमता 4.7.4 निबंध लेखन
3. क्षमता 4.7.3 कहानी लेखन
4. क्षमता 4.7.7 हिन्दी अनुवाद
5. क्षमता 4.7.6 पत्र लेखन
6. क्षमता 4.7.1 उचित जोड़
7. क्षमता 5.7.1 व्याकरण

प्रश्नों के उत्तर, निबंध लेखन, कहानी लेखन, हिन्दी अनुवाद तथा पत्र लेखन क्षमतायें कमशः 5 अंक और उचित जोड़ क्षमता 4 अंक तथा व्याकरण क्षमता 6 अंक मिलाकर 35 अंको का लेखन परीक्षण किया गया।

सभी क्षमताओं के अंको को प्रतिशत स्तर में रूपान्तरित कर क्षमताओं का स्पष्टीकरण किया गया हैं, जो इस प्रकार हैं–

❖ **पाँच अंकोवाली क्षमताओं का प्रतिशत स्तर**

अंक 1 का प्रतिशत स्तर 20 प्रतिशत

अंक 2 का प्रतिशत स्तर 40 प्रतिशत

अंक 3 का प्रतिशत स्तर 60 प्रतिशत

अंक 4 का प्रतिशत स्तर 80 प्रतिशत

अंक 5 का प्रतिशत स्तर 100 प्रतिशत

❖ **चार अंकोवाली क्षमताओं का प्रतिशत स्तर**

अंक 1 का प्रतिशत स्तर 25 प्रतिशत

अंक 2 का प्रतिशत स्तर 50 प्रतिशत

अंक 3 का प्रतिशत स्तर 75 प्रतिशत

अंक 4 का प्रतिशत स्तर 100 प्रतिशत

❖ **छः अंकोवाली क्षमताओं का प्रतिशत स्तर**

अंक 1 का प्रतिशत स्तर 16 प्रतिशत

अंक 2 का प्रतिशत स्तर 33 प्रतिशत

अंक 3 का प्रतिशत स्तर 50 प्रतिशत

अंक 4 का प्रतिशत स्तर 66 प्रतिशत

अंक 5 का प्रतिशत स्तर 83 प्रतिशत

अंक 6 का प्रतिशत स्तर 100 प्रतिशत

उपरोक्त प्रतिशत के आधार पर पाँच अंकोवाली क्षमताओं में 80 और 100 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों को हम क्षमता में उच्च स्तर पर तथा 80 प्रतिशत से कम आनेवाले विद्यार्थियों को निम्न स्तर पर मान सकते हैं। इसी प्रकार चार अंकोवाली क्षमता में 75 और 100 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों को उच्च स्तर पर तथा 75 प्रतिशत से कम आनेवाले विद्यार्थियों को निम्न स्तर पर मान सकते हैं तथा छः अंकोवाली क्षमता में 66, 83 और 100 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों को उच्च स्तर पर तथा 66 प्रतिशत से कम आनेवाले विद्यार्थियों को निम्न स्तर पर मान सकते हैं।

सभी क्षमताओं का स्पष्टीकरण निम्नलिखित किया गया है।

❖ <u>तालिका : 4.3.1</u> प्रश्नों के उत्तर क्षमता में विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत।

अंक	सही		गलत	
	आवृति	प्रतिशत	आवृति	प्रतिशत
0	12	15	5	6.25
1	28	35	4	5
2	21	26.25	10	12.5
3	10	12.5	21	26.25
4	4	5	28	35
5	5	6.25	12	15
योग	80	100	80	100

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.1 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि प्रश्नो के उत्तर क्षमता में 0 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 12 और 15 हैं तथा 0 प्रतिशत पर नहीं आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 5 और 6.25 हैं। इसी प्रकार 20 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 28 और 35 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 4 और 5, 40 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 21 और 26.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 10 और 12.5 हैं, 60 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आंवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 10 और 12.5 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 21 और 26.25 हैं, 80 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 4 और 5 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 28 और 35, 100 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 5 और 6.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 12 और 15 हैं।

इस प्रकार उपरोक्त तालिका से जाना जा सकता है कि 80 से 100 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 9 हैं। जो इस क्षमता में उच्च स्तर पर हैं। और 80 से कम प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 71 हैं, जो इस क्षमता में निम्न स्तर पर हैं। स्पष्ट है कि 71 विद्यार्थी इस क्षमता में कमजोर है।

❖ <u>तालिका : 4.3.2</u> निबंध लेखन क्षमता में विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत।

अंक	सही		गलत	
	आवृति	प्रतिशत	आवृति	प्रतिशत
0	27	33.75	4	5
1	24	30	3	3.75
2	13	16.25	9	11.25
3	9	11.25	13	16.25
4	3	3.75	24	30
5	4	5	27	33.75
योग	**80**	**100**	**80**	**100**

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.2 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि निबंध लेखन क्षमता में 0 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 27 और 33.75 हैं तथा 0 प्रतिशत पर नहीं आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 4 और 5 हैं। इसी प्रकार 20 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 24 और 30 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 3 और 3.75, 40 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 13 और 16.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 9 और 11.25 हैं, 60 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 9 और 11.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 13 और 16.25 हैं, 80 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 3 और 3.75 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 24 और 30, 100 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 4 और 5 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 27 और 33.75 हैं।

इस प्रकार उपरोक्त तालिका से जाना जा सकता है कि 80 से 100 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 7 हैं। जो इस क्षमता में उच्च स्तर पर हैं। और 80 से कम प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 73 हैं, जो इस क्षमता में निम्न स्तर पर हैं। स्पष्ट है कि 73 विद्यार्थी इस क्षमता में कमजोर है।

❖ <u>तालिका : 4.3.3</u> कहानी लेखन क्षमता में विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत।

अंक	सही		गलत	
	आवृति	प्रतिशत	आवृति	प्रतिशत
0	36	45	1	1.25
1	18	22.5	9	11.25
2	8	10	8	10
3	8	10	8	10
4	9	11.25	18	22.5
5	1	1.25	36	45
योग	**80**	**100**	**80**	**100**

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.3 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि कहानी लेखन क्षमता में 0 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 36 और 45 हैं तथा 0 प्रतिशत पर नहीं आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 1 और 1.25 हैं। इसी प्रकार 20 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 18 और 22.5 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 9 और 11.25, 40 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 8 और 10 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 8 और 10 हैं, 60 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 8 और 10 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 8 और 10 हैं, 80 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने. की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 9 और 11.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 18 और 22.5, 100 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 1 और 1.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 36 और 45 हैं।

इस प्रकार उपरोक्त तालिका से जाना जा सकता है कि 80 से 100 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 10 हैं। जो इस क्षमता में उच्च स्तर पर हैं। और 80 से कम प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 70 हैं, जो इस क्षमता में निम्न स्तर पर हैं। स्पष्ट है कि 70 विद्यार्थी इस क्षमता में कमजोर है।

❖ <u>तालिका : 4.3.4</u> हिन्दी अनुवाद लेखन क्षमता में विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत।

अंक	सही		गलत	
	आवृति	प्रतिशत	आवृति	प्रतिशत
0	32	40	7	8.75
1	9	11.25	9	11.25
2	16	20	7	8.75
3	7	8.75	16	20
4	9	11.25	9	11.25
5	7	8.75	32	40
योग	**80**	**100**	**80**	**100**

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.4 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि निबंध लेखन क्षमता में 0 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति

एवं प्रतिशत क्रमशः 32 और 40 हैं तथा 0 प्रतिशत पर नहीं आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 7 और 8.75 हैं। इसी प्रकार 20 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 9 और 11.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 9 और 11.25, 40 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 16 और 20 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 7 और 8.75 हैं, 60 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 7 और 8.75 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 16 और 20 हैं, 80 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 9 और 11.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 9 और 11.25, 100 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 7 और 8.75 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 32 और 40 हैं।

इस प्रकार उपरोक्त तालिका से जाना जा सकता है कि 80 से 100 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 16 हैं। जो इस क्षमता में उच्च स्तर पर हैं। और 80 से कम प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 64 हैं, जो इस क्षमता में निम्न स्तर पर हैं। स्पष्ट है कि 64 विद्यार्थी इस क्षमता में कमजोर है।

❖ <u>तालिका : 4.3.5</u> पत्र लेखन क्षमता में विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत।

अंक	सही		गलत	
	आवृति	प्रतिशत	आवृति	प्रतिशत
0	49	61.25	6	7.5
1	6	7.5	5	6.25
2	6	7.5	8	10
3	8	10	6	7.5
4	5	6.25	6	7.5
5	6	7.5	49	61.25
योग	80	100	80	100

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.5 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि निबंध लेखन क्षमता में 0 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 49 और 61.25 हैं तथा 0 प्रतिशत पर नहीं

आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 6 और 7.5 हैं। इसी प्रकार 20 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 6 और 7.5 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 5 और 6.25, 40 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 6 और 7.5 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 8 और 10 हैं, 60 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 8 और 10 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 6 और 7.5 हैं, 80 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 5 और 6.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 6 और 7.5, 100 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 6 और 7.5 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 49 और 61.25 हैं।

इस प्रकार उपरोक्त तालिका से जाना जा सकता है कि 80 से 100 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 11 हैं। जो इस क्षमता में उच्च स्तर पर हैं। और 80 से कम प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 69 हैं, जो इस क्षमता में निम्न स्तर पर हैं। स्पष्ट है कि 69 विद्यार्थी इस क्षमता में कमजोर है।

❖ <u>तालिका : 4.3.6</u> उचित जोड़ क्षमता में विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत।

अंक	सही		गलत	
	आवृति	प्रतिशत	आवृति	प्रतिशत
0	12	15	17	21.25
1	5	6.25	36	45
2	10	12.5	10	12.5
3	36	45	5	6.25
4	17	21.25	12	15
योग	**80**	**100**	**80**	**100**

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.6 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि निबंध लेखन क्षमता में 0 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 12 और 15 हैं तथा 0 प्रतिशत पर नहीं आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 17 और 21.25 हैं। इसी

प्रकार 25 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 5 और 6.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 36 और 45 , 50 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 10 और 12.5 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 10 और 12.5 हैं, 75 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 36 और 45 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 5 और 6.25 हैं, 100 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 17 और 21.25 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 12 और 15 हैं।

इस प्रकार उपरोक्त तालिका से जाना जा सकता है कि 75 से 100 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 53 हैं। जो इस क्षमता में उच्च स्तर पर हैं। और 75 से कम प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 27 हैं, जो इस क्षमता में निम्न स्तर पर हैं। स्पष्ट है कि 27 विद्यार्थी इस क्षमता में कमजोर है।

❖ <u>तालिका : 4.3.7</u> व्याकरण लेखन क्षमता में विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत।

अंक	सही		गलत	
	आवृति	प्रतिशत	आवृति	प्रतिशत
0	7	38.75	31	8.75
1	3	13.75	11	3.75
2	3	3.75	3	3.75
3	22	27.5	22	27.5
4	3	3.75	3	3.75
5	11	3.75	3	13.75
6	31	8.75	7	38.75
योग	**80**	**100**	**80**	**100**

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.7 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि निबंध लेखन क्षमता में 0 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 7 और 38.75 हैं तथा 0 प्रतिशत पर नहीं आनेवाले विद्यार्थियों की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 31 और 8.75 हैं।

इसी प्रकार 16 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 3 और 13.75 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 11 और 3.75, 33 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 3 और 3.75 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 3 और 3.75 हैं, 50 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 22 और 27.5 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 22 और 27.5 हैं, 66 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 3 और 3.75 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 3 और 3.75, 83 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 11 और 3.75 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 3 और 13.75 हैं। 100 प्रतिशत पर विद्यार्थियों के सही होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 31 और 8.75 तथा गलत होने की आवृति एवं प्रतिशत क्रमशः 7 और 38.75 हैं।

इस प्रकार उपरोक्त तालिका से जाना जा सकता है कि 66 से 100 प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 45 हैं। जो इस क्षमता में उच्च स्तर पर हैं। और 66 से कम प्रतिशत पर आनेवाले विद्यार्थियों की कुल आवृति 35 हैं, जो इस क्षमता में निम्न स्तर पर हैं। स्पष्ट है कि 35 विद्यार्थी इस क्षमता में कमजोर है।